छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर

हायर सेकेंण्री सर्टिफिकेट परीक्षा वर्ष 2008–09

मॉडल प्रश्न पत्र (Model Question Paper)

कक्षाः–	12 वीं	Class:-	12th
विषयः–	विशिष्ट हिन्दी	Subject:-	Special Hindi
समयः–	3 घण्टे	Time:-	3 Hours
पूर्णांकः–	100	Maximum Marks :-	100

निर्देशः–

1. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्रमांक 1 से 11 तक के प्रश्नों के उत्तर हेतु शब्द–सीमा 20–30 शब्द हैं। प्रत्येक पर 2 अंक निर्धारित।
3. प्रश्न क्रमांक 12 से 19 तक के प्रश्नों के उत्तर हेतु शब्द–सीमा 50 शब्द है। प्रत्येक पर 3 अंक निर्धारित।
4. प्रश्न क्रमांक 20 से 25 तक के उत्तरों के लिए शब्द–सीमा 75 शब्द है, प्रत्येक पर 4 अंक निर्धारित।
5. प्रश्न क्रमांक 26 से 29 तक के उत्तरों के लिए शब्द–सीमा 125 शब्द है, प्रत्येक पर 5 अंक निर्धारित।
6. प्रश्न क्रमांक 30 के लिए शब्द सीमा 250–300 शब्द–10 अंक निर्धारित।

प्रश्न 1– रस के अंगों का नाम लिखिए। (2)

प्रश्न 2– कबीर के समकालीन दो कवियों के नाम बताइए । (2)

प्रश्न 3– 'ईद का चांद होना, एक अनार सौ बीमार'' का वाक्य में प्रयोग कीजिए। (2)

प्रश्न 4– अमृतसर के बब्बूकार्ट वाले के बाजार में लड़के ने लड़की से क्या कहा ? (2)

प्रश्न 5– मिट्टी के मात्तृरूपा होने का अर्थ लिखिए। (2)

प्रश्न 6– धनानन्द की प्रेमिका का क्या नाम था ? (2)

प्रश्न 7– दृष्टांत अलंकार का उदाहरण दीजिए। (2)

प्रश्न 8– कुण्डलिया छंद के लक्षण लिखिए। (2)

प्रश्न 9– 'लोकमान्य तिलक' ने मांडले जेल में किन–किन ग्रंथों की रचना की ? (2)

प्रश्न 10– ''ये धरती करमइता के हवय'' किस कवि की रचना है ? (2)

प्रश्न 11– चुरकी और मुरकी के चरित्र में क्या अन्तर है ? (2)

प्रश्न 12– प्रेम और श्रद्धा में अंतर समझाइए। (3)

प्रश्न 13– 'दादाजी की सहायता से परिवार टूटने से बचा' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? (3)

प्रश्न14– मानसरोवर की इच्छा क्या थी, इच्छा पूरी होने पर क्या हुआ ? (3)

प्रश्न15– लेखक विश्वमंदिर में कौन–कौन से चित्र रखने का सुझाव देता है ? (3)

प्रश्न16– घनानंद जी ने प्रेम मार्ग की क्या–क्या विशेषताएँ बताई है ? (3)

प्रश्न 17– चीनी फेरी वाला की कौन–कौन सी इच्छाएँ थी, वे किस स्तर पर पूरी हो पाई ? (3)

अथवा

'पूरी दुनिया को साफ करने के लिए मेहतर चाहिए' इस कथन से कवि का क्या आशय है ?

प्रश्न 18– छप्पय छन्द के लक्षण एवं उदाहरण बताइए । (3)

प्रश्न 19– लोग निंदक क्यों बन जाते हैं, निंदा की प्रवृत्ति से बचने के लिए क्या उपाय करना चाहिए ? (3)

प्रश्न 20– गोकुल से लौटकर आते हुए उद्धव की प्रेममग्न दशा का चित्रण कीजिए। (4)

प्रश्न 21– आदिवासियों के रीति–रिवाज पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (4)

प्रश्न 22– छायावादी काव्यधारा की चार विशेषताएँ लिखिए। (4)

अथवा

चीनी फेरीवाला पाठ को रेखाचित्र क्यों कहा गया ? संस्मरण और रेखाचित्र में अंतर स्पष्ट करते हुए उदाहरण दीजिए ।

प्रश्न 23– सत्यपाल की प्रमुख चारित्रिक विशेषताएँ बताइए। (4)

प्रश्न 24– जय शंकर प्रसाद अथवा रामधारी सिंह 'दिनकर' का साहित्यिक परिचय – दो रचनाएँ/भावपक्ष/कलापक्ष के आधार पर दीजिए। (4)

प्रश्न 25– महादेवी वर्मा अथवा चन्द्रधर शर्मा गुलेरी जी का साहित्यिक परिचय – दो रचनाएँ, भाषा–शैली एवं साहित्य के स्थान के आधार पर दीजिए। (4)

प्रश्न 26– निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।(5)

तरूणों के लिए जैसे भविष्य उज्जवल होता है वैसे ही वृद्धों के लिए अतीत। वर्तमान से दोनों को असंतोष होता है। तरूण भविष्य को वर्तमान में देखना चाहता है। तरूण क्रांति के समर्थक होते हैं, और वे अतीत को खींचकर वर्तमान में देखना चाहते हैं। तरूण क्रांति के समर्थक होते हैं और वृद्ध अतीत गौरव के संरक्षक। इन्हीं दोनों के कारण वर्तमान सदैव क्षुब्ध रहता है। इसी से वर्तमान काल सदैव सुधारों का काल बना रहता है।

अथवा

"किसी मनुष्य में जन–साधारण से विशेष गुण व शक्ति का विकास देख उसके सम्बंध में जो एक स्थायी आनन्द पद्धति हृदय में स्थापित हो जाती है, उसे श्रद्धा कहते हैं । श्रद्धा महत्व की आनन्दपूर्ण स्वीकृति के साथ–साथ पूज्य बुद्धि का संचार है ।"

प्रश्न 27– निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की ससंदर्भ, सप्रसंग व्याख्या कीजिए– (5)

वह विवर्ण मुख त्रस्त प्रकृति का, आज लगा हँसने फिर से,
वर्षा बीती हुआ, सृष्टि में शरद विकास नए सिरे से।
नव–कोमल आलोक बिखरता हिम संस्कृति पर भर अनुराग,
सित सरोज पर क्रीड़ा करता, जैसे मधुमय पिंग पराग।

अथवा

जब तक मनुज–मनुज का यह सुखभाग नहीं सम होगा।

शमित न होगा, कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।।
था पथ सहज अतीव, सम्मिलित हो समग्र सुख पाना।
केवल अपने लिए नहीं कोई सुख भाग चुराना।।

प्रश्न28– निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। जिसमें हित की भावना सन्निहत हो, वही साहित्य है। साहित्य को ज्ञान राशि का संचित कोश भी कहा जाता है। मुंशी प्रेमचंद जी ने साहित्य को जीवन का सुंदर एवं स्वाभाविक रूप बताया है। साहित्य को समाज का दर्पण भी कहा जाता है। क्योंकि जहाँ साहित्य होगा, वहाँ समाज होगा, जहाँ समाज होगा, वहाँ साहित्य होगा। दोनों का इतना घनिष्ठ सम्बन्ध है, कि दोनों एक दूसरे को प्रभावित किए बिना रह नहीं सकते। युगीन समाज कैसा था? इसका पता तत्कालीन साहित्य को पढ़कर लगा सकते है। साहित्य समाज का मार्ग दर्शन करता है, उसे नई दिशा भी देता है। कबीर, तुलसी, प्रेमचंद के साहित्य ने तत्कालीन समाज को विशेष रूप से प्रभावित किया।

प्र. 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। (2)
2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश दीजिए। (3)

प्रश्न 29– सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर (छ.ग.) को कक्षा 10वीं की अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने विषयक पत्र लिखिए। (5)

अथवा

सामाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखकर पुलिस की लापरवाही के कारण अपने नगर में बढ़ रही गुण्डागर्दी के प्रति प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कीजिए ।

प्रश्न 30– निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 250 से 300 शब्दों में निर्वेध लिखिए

1. राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान । (10)
2. आतंकवाद की समस्या।
3. जनसंख्या वृद्धि एक गंभीर संकट।
4. परोपकार का महत्व।

----0----